Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to provide scholarship to SC, ST and OBC students.

श्री गिरीश चन्द्र (नगीना): **माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी का ध्यान वर्तमान में विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं में अनियमितताओं तथा भेदभाव की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं । विगत दिनों में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में पीएचडी में प्रवेश के लिए जो साक्षात्कार लिए गए, उनमें लिखित परीक्षा में** 70 **तथा मौखिक परीक्षा के लिए** 30 **अंक अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित किए गए । साक्षात्कार के** 30 **अंकों में अधिकांश छात्र जो एससी, एसटी तथा ओबीसी वर्ग के हैं, उनको** मात्र 1, 2 या 3 **अंक ही दिए गए हैं ।** 30 **अंकों के वाइवा में केवल 2 या 3 अंक देना किसी भी तरह से तार्किक या न्यायपूर्ण नहीं है । जेएनयू में कम फीस तथा** Quartile System **(ग्रामीण बच्चों को विशेष तरजीह) की वजह से अधिकांश बच्चे वंचित वर्ग से आते हैं, लेकिन इस अन्याय की वजह से ये छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं । यह देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है ।**

महोदय, इसके साथ ही मैं आपके माध्यम से संसद का ध्यान एक और गंभीर मुद्दे की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं, जो अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति से संबंधित है । पूरे देश में एससी, एसटी छात्रों को छात्रवृत्ति समय से मिलने के कारण इस वर्ग के लोग शिक्षा के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर शिक्षित हो रहे थे, लेकिन जब से वर्तमान सरकार आई है, तब से एससी,एसटी और ओबीसी के छात्रों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार करके इनकी छात्रवृत्ति भी बंद कर दी गई है । आपके माध्यम से मेरी सरकार से मांग है कि एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों को जल्द से जल्द छात्रवृत्ति जारी की जाए । धन्यवाद ।